पाठ - 5

वाक्य विचार

* वाक्य :- शब्द, शब्दों या वाक्यांशों का वह सार्थक व व्यवस्थित समूह जो एक पूर्ण भाव को प्रकट करे, उसे वाक्य कहते हैं।

→ निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-

१. आप कौन हैं ?
२. कमल तो घर पर नहीं है।
३. आपका नाम क्या है ?
४. मैं पत्र लिख रहा हूँ।

उपर्युक्त वाक्यों के कारण आपसी बातचीत संभव हुई है। दोनों की बातें वाक्यों के कारण ही समझ में आती हैं, वर्ण या शब्दों से नहीं।

→

	शब्द समूह		वाक्य
१.	दूध है देती गाय हमको	⟶	गाय हमको दूध देती है।

२. है भौंकता रात कुत्ता को ⟶ कुत्ता रात को भौंकता है।

* वाक्य के अंग :-

वाक्य के निम्नलिखित दो अंग होते हैं :-

१. उद्देश्य → जिसके बारे में जो कुछ कहा जाता है अथवा जिसका वर्णन किया जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं।

२. विधेय → उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाता है अथवा उसका जो कुछ भी वर्णन किया जाता है, उसे विधेय कहते हैं।

	उद्देश्य	विधेय
⇒		
१.	विमल ने	खाना खाया।
२.	सुलेखा	बाजार गयी है।
३.	तुम	इधर आओ।
४.	सीता	पत्र लिखती है।

* सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (X) का चिह्न लगाइए :

१. मैं खाना खा रहा हूँ। (✓)
२. जाना मुझे पता नहीं (X)
३. कहाँ है। (✓)
४. तुम्हारा नाम क्या है? (✓)
५. रहना यहाँ पर नहीं है मुझे। (X)
६. आपकी आयु क्या है? (✓)

* निम्नलिखित शब्द समूहों को व्यवस्थित करके एक सार्थक वाक्य बनाइए :-

१. है वह रहा जा
⇒ वह जा रहा है।

२. रहते हम हैं यहाँ
⇒ हम यहाँ रहते हैं।

३. है आम होता मीठा
⇒ आम मीठा होता है।

6. आओ इधर
⇒ इधर आओ।

7. है भगवान सब जगह
⇒ भगवान सब जगह है।

8. है राष्ट्रीय मोर पक्षी हमारा
⇒ हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर है।

9. देती है गाय हमें दूध
⇒ गाय हमें दूध देती है।

10. को माता-पिता करो प्रणाम
⇒ माता-पिता को प्रणाम करो।

9. स्कूल जाओ तुम रोज
⇒ तुम रोज स्कूल जाओ।

10. गए आ हैं पिता जी
⇒ पिता जी आ गए हैं।